ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-06-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-06-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-06-23	2021-06-24	2021-06-25	2021-06-26	2021-06-27
वर्षा (मिमी)	5.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	38.0	39.0	39.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	28.0	28.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	56	56	67	70	69
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	29	30	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	23.0	27.0	29.0	29.0	27.0
पवन दिशा (डिग्री)	239	233	229	223	223
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	0	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

23 जून को हल्की वर्षा की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई खरीफ फसलों की बुवाई के लिए एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से तथा बाद में हेरो से 2-3 जुताई कर खेत तैयार करें।

लघु संदेश सलाहकार:

कपास की फसल में निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें तथा मृदा नमी संरक्षित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरा की बुवाई के लिए उर्वरक, रसायनों व उन्नत किस्मों के बीज एम.पी.एम.एच-21, एम.पी.एम.एच-17, जी.एच.बी-905, एम.बी.सी-2, एच.एच.बी-67(इम्प्रूड), जी.एच.बी-719, सी.जेड.पी-9802, जी.एच.बी-744, आर.एच.बी-177, एच.एच.बी-197 व आर.एच.बी-173 की व्यवस्था करें । बुवाई के लिए चार किलो बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग मे लें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जुलाई तक है अतः किसान भाई उर्वरक, बीज उपचार हेतु रसायनों व उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, आई.पी.एम-02-3, एम.एच-2-15, एस.एम.एल-668, आर.एम.जी-344, आर.एम.जी-268, आर.एम.जी-62, जी.एम-4, के-851 की व्यवस्था करें।
ग्वारफली	ग्वार की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जुलाई तक है अतः उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038, आर.जी.सी-1031, आर.जी.सी-1017 व आर.जी.एम-112 की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	कुष्माण्ड कुल की सब्जियों की उन्नत किस्मों की बुवाई करें। लौकी- यू.एस.एम.श्रवण, पूसा नवीन व पूसा मेघदूत। तोरई पन्त तोरई-1, पूसा नसदार, पूसा चिकनी व अरका सुजात। टिन्डा- बीकानेरी गी्रन, अरका टिन्डा, । बुवाई के समय 30 किलो नत्रजन, 40 किलो फॉस्फोरस व 40 किलो पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से दें। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम थाइरम से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
सामान्य सलाह	अधिक दूध देने वाली गाय व भैंस में ब्याने के 7-8 दिन तक दुग्ध ज्वर होने की संभावना होती है, इसलिए पशुओं को कैल्शियम, फॉस्फोरस का घोल 70 से 100 मिलीलीटर प्रतिदिन पिलायें।